मेरी कमसिन जवानी की आग-4

"तभी मेरी स्कर्ट को कोई दूसरा ऊपर करने लगा. मैंने अन्दर पैंटी नहीं पहनी थी, तो वे मेरी टांगें चौड़ी करके मेरी जांघों को चाटने लगे. उसी समय एक अंकल ने मेरे हाथ मेंअपना लंड पकड़ा दिया. ..."

Story By: vandhya (vandhyap)
Posted: Thursday, November 1st, 2018
Categories: ग्रुप सेक्स स्टोरी
Online version: मेरी कमसिन जवानी की आग-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी कमसिन जवानी की आग-4

मुझसे बोले राज अंकल- तू बता सोनू, तुझे कोई दिक्कत तो नहीं ? बस थोड़ी देर की बात होगी, अपन बीस पच्चीस मिनट में वापस आ जाएंगे.
मैं उस समय किसी हालत में बस चुदवाना चाहती थी, मुझे दिमाग में कुछ नहीं सूझा, मैंने हाँ में सिर हिला दिया.

फिर राज अंकल बोले- बता सोनू ? बोल तू ?
उस समय मुझसे दो दो मर्द नंगे लिपटे हुए थे, मैं अपने होशोहवास में नहीं थी, मैं बिना सोचे समझे बोली- जैसा आपको ठीक लगे अंकल … मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं !
इतना सुनते ही राज अंकल अंकित से बोले- यार तेरा घर है, तू यहीं का है, बता, यहाँ पर तो कोई रूम खाली नहीं तो अगल बगल घर कहीं कोई खाली जगह है क्या ? कोई इंतजाम करा !

तब अंकित बोला- बहुत रात हो गई है. बगल वाले घर में एक अंकल हैं उनका घर ऊपर खाली रहता है, नीचे परिवार रहता है. अगर उनका फोन उठ गया तो हो जाएगी व्यवस्था, वैसे भले ही वे बुजुर्ग हैं, बुड्ढे हैं लगभग 65 साल के होंगें, पर वह बहुत रसिया हैं, कई बार वो अंकल नई लड़कियों की मांग करते रहते हैं, मुझसे खुले हुए हैं.

तब राज अंकल बोले- फोन लगा शायद बात बन जाए, उनको भी क्या है, जब 65 साल के हैं.. तो थोड़ा वह भी आ जाएंगे तो कोई बात नहीं !

अंकित ने तुरंत फोन लगाना शुरू कर दिया. उसने दो-तीन बार फोन मिलाया, तब जाकर उनका फोन उठा.

अंकित इधर से बोला- अंकल, अभी एक बहुत मस्त नई लड़की पटी है, अगर कहो तो ले आऊं ?

ये सुन कर वह कुछ उधर से कुछ बोले.

तब अंकित ने बोला- अंकल, उसे देख लोगे तो पागल हो जाओगे तुम, बहुत दिनों से बोल रहे थे.. आज अभी हो पाया इसलिए मैंने फोन किया. रहने दो अगर तुम्हें डर लगता है !
अरे अंकल तुम बस चुपचाप गेट खोल देना, हम लोग ऊपर चले जाएंगे.
तब वो अंकल जो भी बोले हों, अंकित बोला- तुम्हें बता ही देता हूं कि मेरी चाची की सगी बहन की बेटी है, एकदम गजब माल है. तुम देख चुके हो अंकल, लालजी की सगी मौसी की बेटी सोनू घर में नाम है, वैसे वन्द्या नाम है. मैंने तुम्हें फोटो दिखाई थी, लालजी ने भी तुम्हें कुछ कुछ सोनू के बारे में बताया था. लालजी ने फोटो दिखाई थी और तुमने बोला था कि यार इसकी एक बार दिला दो जो बोलोगे कर दूंगा, मैं उसी की बात कर रहा हूं !
जैसे उसने मेरा नाम बताया, उन अंकल ने शायद तुरंत हाँ कर दी और वे उससे कुछ बोले भी.
तो अंकित इधर से बोला- ठीक है, चलेगा.. देख लेंगे.

इसके बाद अंकित ने राज अंकल के और मुन्ना अंकल के कान में कुछ धीरे से बोला. जो कुछ बोला वो मुझे सुनाई नहीं दिया.

तब राज अंकल बोले- अरे यार चलते हैं, वहाँ जो भी होगा देख लेंगे. यह वन्द्या मैनेज कर लेगी, वहीं डिसाइड करेंगे.
राज अंकल और मुन्ना अंकल बोले- फाइनली अपन चलते हैं, जल्दी चलकर जल्दी आ

जायेंगे.

मुझे मुन्ना अंकल ने मेरी स्कर्ट और टॉप उठा कर दी और बोले- वन्द्या ऐसे ही जल्दी से पहन लो.

मैंने जल्दी स्कर्ट टॉप पहने और दोनों अंकल ने भी अपने कपड़े पहने, राज अंकल तुरंत मेरा हाथ पकड़े और बोले- चुपचाप चले चलो सोनू जल्दी करो.

मैं बोली- अंकल कुछ गड़बड़ तो नहीं होगा ? मुझे डर लग रहा है.. किसी को पता चल गया तो मैं मर जाऊंगी, मैं कहीं भी मुँह दिखाने लायक नहीं बचूंगी. प्लीज अंकल, कुछ गड़बड़ ना हो ? आज रहने दीजिए.
तब राज अंकल मेरी कमर में हाथ डाल कर बोले- चल सोनू, मेरे ऊपर भरोसा रख.. कुछ नहीं होगा बिल्कुल मेरी गारंटी है.
ऐसा बोला तो मुझे कुछ भरोसा हुआ, मैं बोली- ठीक है अंकल, मैं आपके भरोसे चल रही हूं.

और फिर मैंने उनका हाथ पकड़ा, वे भी मेरा हाथ पकड़ कर यहाँ से चल दिए.

मौसी के घर के बगल वाला ही घर था, अंकित आगे था. दरवाजा खुला हुआ मिला और सब लोग धीरे से ऊपर सीढ़ियों में चढ़ने लगे. ऊपर फर्स्ट फ्लोर पर गए, अंकित ने एक दरवाजा खोला, जैसे ही अन्दर गई, देखा वहाँ दो तखत बिछे हुए थे. चूंकि गांव का ही घर था इसलिए उतना डेकोरेशन नहीं था पर हॉल बड़ा था, एक तखत में बिस्तर लगा था, एक खाली था लेकिन उस पर भी गद्दा मुड़ा हुआ रखा था, उसको अंकित ने बिछा दिया.

राज अंकल मुझे बैठने को बोले. वहां दो ट्यूबलाइट लगी थीं, दोनों को जला दिया तो रोशनी बहुत हो गई.

तभी एक अंकल वहां आए, उनकी उम्र करीब 70 साल की रही होगी, अंकित ने उनके पैर छुए, राज अंकल ने भी पैर छुए.

उन अंकल ने मुझे देखा और बोले- मेरे समधी साहब आ रहे हैं, जरा नीचे हैं.
मैं सोचने लगी कि अरे इनके अलावा और भी है कोई क्या ?

तभी मैंने देखा दो अंकल और लगभग 65 साल के आसपास आए. राज ने तीनों अंकल के पैर छुए और अंकित ने भी !

जिनका घर था, उनके पास अंकित गया और बोला- अंकल जी, अब दरवाजा बंद कर दीजिए, कोई दिक्कत तो नहीं है ?

वे अंकल बोले- बिल्कुल कोई दिक्कत नहीं, मेरी बीवी और बेटी बहुत अन्दर सो रही हैं.. मैं बाहर से उनके कमरे का दरवाजा बंद कर आया हूं, बिल्कुल खुलकर आराम से करो, जो मन पड़े ! कोई दिक्कत नहीं होगी.

अब वो अंकल जिनका घर था, मेरे सामने आए और बोले- अच्छा इसको तो मैं जानता हूं.
मेरी मम्मी का नाम लेकर बोले- यह तो उसकी बेटी है ना जो तपा में लालजी की मौसी है.
अंकित बोला- हाँ अंकल, तपा वाली मौसी की बेटी है, लालजी की सगी मौसी है इसकी मम्मी !
तब वो अंकल बोले- लालजी नहीं आया क्या ? लालजी भी तो मुझसे इसके बारे में बता रहा था कि मौसी की लड़की सोनू बहुत मस्त है और बहुत हॉट है. उसने अपने मोबाइल में फोटो भी दिखाई थी इसकी एक दो ! उसने बताया था कि वो मौसी की बेटी सोनू को कर रहा था, तभी पड़ोस के कोई चाचा आ गए थे और लालजी का काम पूरा नहीं हुआ, लालजी भी इस वन्द्या की अधूरी चुदाई कर चुका है, तब से वह भी इसे करने के फिराक में है.

तब मुझे बिल्कुल झटका सा लगा कि लाल जी तो मेरी पूरी गोपनीय बातें इन अंकल को मेरे बारे में बता चुका है, कैसा लड़का है लालजी ? वो भी मेरी सगी मौसी का लड़का है, मेरे सगे भाई की तरह तब भी सबसे मेरी बात बताई.

तभी वे मकान मालिक अंकल बोले- लालजी ने मुझसे बोला भी था कि अंकल मैं सोनू की आपको दिलवाऊंगा जैसे ही मौका मिलेगा.
तब अंकित बोला- एक ही बात है.. मुझे भी लाल जी ने ही इसके बारे में पूरा बताया था कि कैसी है वन्द्या ! जब वो वन्द्या के ऊपर चढ़ा हुआ था, तब लालजी ने मेरी वन्द्या से बात भी करवाई थी. मुझे वन्द्या ने खुद बोला था उस समय कि आकर चोद लो.. तब मैं बोला था कि मेरे एक अंकल हैं, उनको भी ले आऊं ? तो वन्द्या बोली थी कि जिनको जिनको लाना है ले आओ, उस वक्त उसने बहुत मस्त बात की थी, तब लालजी इसकी चूत चाट रहा था और एक इसकी बहन का लड़का पीयूष भी इसके साथ बिस्तर में था. लालजी ने वन्द्या की सेक्सी सेक्सी फोटो दिखाई थी कुछ नहाते की और कपड़े बदलते की.. मोबाइल पे दिखाई थीं, जब से वन्द्या की सेक्सी फोटो देखी, तब से मैं इसके लिए पागल हो रहा था, आज मौका मुझे मिला. वैसे कल भी मैंने बाथरूम में इसको पकड़ा था मगर पूरा काम नहीं हो पाया जल्दी-जल्दी में भागना पड़ा, आज इसको बिल्कुल बहुत मस्त कर देना है, बहुत ही गजब की आइटम है ये वन्द्या.. इससे सेक्सी लड़की कोई नहीं मिलेगी अंकल ! 10-12 मर्द भी इसको एक साथ कम पड़ जायें..ऐसी इसकी गर्मी है.

मैं अंकित की बातें सुनकर हैरान थी, उस हाल में मैं तीन बुड्ढे, दो अंकल और एक अंकित जो 22 साल का था करीब, ऐसे 6 मर्दों के बीच मैं अकेली लड़की थी. जो पहले मेरा मन कर रहा था सेक्स का.. वह पूरा डर में बदल गया, मेरे साथ यह पहली बार ऐसी स्थिति बनी मुझे कुछ समझ नहीं आया. एक तो दूसरा गांव.. ऊपर से रात के करीब 1:00 बजे रहे होंगे और अकेली मैं, छह मर्दों के साथ !

मैं राज अंकल से बोली- अंकल, प्लीज मुझे वहाँ पहुंचा दो जहाँ से लाये हो, अभी मुझे कुछ नहीं करना !
जैसे ही मैंने ऐसे कहा तो मकान मालिक अंकल आए मेरे पास और मेरे कंधे पर हाथ रख दिया, बोले- तुम बिल्कुल घबराओ नहीं, तुम्हारा क्या नाम है, खुद से बताओ ?
मैं बोली- वन्द्या !
तो अंकल बोले- वन्द्या सुनो, हम तीनों तुम्हें छुएंगे भी नहीं. यह जो एक सफेद टी-शर्ट में हैं, यह मेरे समधी हैं, कल से आए हुए हैं. और यह जो थोड़े लम्बे चौड़े हैं.. मेरे समधी के साथ नौकरी करते थे. तो बस तुम्हें देखने के लिए हम तीनों आए हैं. मेरा थोड़ा मन था पर कोई बात नहीं, तुम्हारी मर्जी !

और ऐसा कहकर उन्होंने मुझे गले से अपने लगा लिया. मैं कुछ नहीं बोली.

तभी वे मेरी एक गाल में हाथ रखकर बोले- मेरी तरफ देखो, यह मेरा घर है, इसे तुम अपना समझो. तुम्हारा मन है तो कुछ देर खुल कर इंजॉय करो, जीवन मस्ती और इंजाय के लिए है, दो दिन की जवानी है, बस इसे खूब फन और फाड़ू मस्ती में गुजारो ! कल का क्या भरोसा.
मैं बोली- अंकल, मैंने आज तक इतने सारे लोगों के साथ में कभी नहीं किया है.

तभी मकान मालिक बोले- वन्द्या हम लोग तुम्हें छोड़ कर चले जाते हैं, तुम यहीं रहो और यहीं सो जाओ कोई तुम्हें टच नहीं करेगा.
तब मुझे कुछ अच्छा लगा यह सुनकर, जिनका मकान था, वे मुझे अच्छे लगे, उनकी बातें अच्छी लगीं.
उन्होंने मुझे अपने आप गले लगा लिया और बोले- तुम मेरी नातिन जैसी हो, मेरी नातिन भी तुमसे बड़ी है, तुमको कोई दिक्कत नहीं होगी ! मेरे ऊपर भरोसा करो, बस 10-15 मिनट के अन्दर तुम्हें वही पहुंचा दूंगा.. मेरी गारंटी है.

मैं बोली- पक्का अंकल ? प्रॉमिस करिए !

तब अंकल अपने सर पर हाथ रखकर बोले- गॉड प्रॉमिस है, सिर्फ 15 मिनट दे दो मुझे.. तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा, मेरा वादा है, नहीं लगे अच्छा तो बता देना, तुम्हें तुम्हारी मर्जी के बिना कोई कुछ नहीं करेगा. तुम तो बहुत होशियार और मस्त लड़की हो, मुझे लालजी ने सब बताया है.
मैं बोली- ओके अंकल जैसा आपको ठीक लगे ! पर मम्मी जान ना पाए कहीं कि मैं रात में बाहर गई थी.
तब राज अंकल बोले- नहीं वन्द्या, कोई नहीं जान पाएगा. मुझे भी परवाह है.
जिनका मकान है वे मुझे बोले- तुम बस मेरी बात मानो और चाहे तो अपनी आंखें बंद कर लो और चुपचाप लेट जाओ.

उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रख कर मुझे वहीं तखत में लिटा दिया. उनके लिटाते ही मैंने आंखें बंद कर लीं, उन अंकल ने भी मेरे बगल से लेट कर मुझे अपनी बांहों में भर लिया और मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए और चूमने लगे.

अंकल धीरे से अपने हाथ को मेरे सीने में चलाने लगे.

तभी मेरी स्कर्ट को कोई दूसरा ऊपर करने लगा. चूँकि मैंने अन्दर पैंटी नहीं पहनी थी, तो वे मेरी टांगें चौड़ी करके मेरी जांघों को चाटने लगे. उसी समय कोई एक अंकल ने मेरे हाथ को पकड़ कर अपने लंड को पकड़ाया. तब मुझे बहुत अजीब सा लगा, उसने अपने हाथ से मेरा हाथ पकड़ कर अपने लंड को रगड़वाना शुरू कर दिया, सच में बहुत गर्म और लम्बा मोटा लौड़ा था.

तभी मेरे टॉप को कोई ऊपर करने लगा. मैंने आंखें बंद की हुई थीं, इसलिए मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया कि कौन अंकल हैं. उन्हीं में से कोई एक मेरी स्कर्ट को नीचे खींचते हुए

उतारने लगे.

तभी जो उनके समधी और समधी के दोस्त थे, बोले- यह लड़की तो बला की कयामत है, इसके साथ कोई मेरी फोटो ले लो.. यादगार पल हैं, यह याद बनी रहेगी.
अंकित बोला- ठीक है अंकल, मैं लिए लेता हूं. कौन सी पोज की लेना है ?
वो अंकल बोले- सबसे पहले तो वन्ध्या की चूत चाटने की लो. फिर इसकी ये मस्त उठी हुई गांड चाटने की.. इसके बाद वन्ध्या की नाभि चूमते हुए और बूब्स दबाने और पीने की खींचना ! उसके बाद इसकी बहुत मस्त सेक्सी नाक चूमते चूमते और नाक चूसते की जरूर लेना.. फिर इसके साथ लेटने की और जब लंड डालूं, तब की फोटो जरूर लेना. अंकित तुम हर पोज की फोटो लेना, जीवन भर सम्हाल के रखूंगा, वन्ध्या के साथ इन सेक्सी पलों की फोटो ! इतनी सुन्दर और सेक्सी मस्त फिगर वाली लड़की आज तक हम लोगों ने देखी नहीं है, जिसे आज चोदने का मौका मिल गया.

इतने में सभी ने बोलना शुरू कर दिया- अंकित प्लीज मेरे साथ भी हर पोज की फोटो ले लेना !
अंकित बोला हंसते हुए- सभी अंकलों को हर फोटो का चार्ज लगेगा.
सभी ने कहा- हाँ देंगे बेटा जो चार्ज बोलेगा, पर सभी पोज में लेना.
अंकित बोला- ठीक है, आज से, अभी से मैं वन्ध्या का फोटोग्राफर बन जाता हूं, बड़ा प्राफिट दिख रहा है इस काम में !

और अंकित ने मोबाइल से सबके साथ फोटो लेना शुरू कर दिया. तभी कोई अंकल मेरी जांघों को सहलाने लगे.

मेरी मस्त चुदाई की कहानी पर आप अपने विचार मुझे मेल कर सकते हैं. बस जरा गरम कमेंट्स होना चाहिए.
vandhyap13@gmail.com

कहानी जारी है.